Today's Poem – 06.06.2014

यह है देवता बनने की पढ़ाई

सहज ज्ञान और राजयोग की पढ़ाई

पवित्र प्रवृति मार्ग एक बाप ही स्थापन करते

मनुष्य से देवता बनने की पढ़ाई एक बाप ही पढ़ाते

श्रीमत पर चलकर बाप का मददगार बनना है

गृहस्थ में रहते सम्पूर्ण निर्विकारी बनना है

ड्रामा कहकर बैठ नहीं जाना है

पढ़ाई पर पूरा ध्यान देना है

हम आत्माएं हीरे तुल्य समान

बोल हो हमारे रत्न समान मूल्यवान

मेरा बाबा

ॐ शान्ति !!!